

# BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

## Personal Details

Author Name	Dev Goyal Dev
Father Name	Sh. Ramoo Mal
Date of Birth	1953-06-16
Contact No	9253095160
Alternate contact no.	9820807135
e-mail ID	Munishgoyal1305@gmail.com
Nominee Name	Munish Goyal
Correspondence Address :	1101, Boulevard 1, The Address, LBS Marg, Ghatkopar West
Landmark	In front of R City Mall
City	Mumbai
State	Maharashtra
Pin Code	400086
Country	India

## BANK DETAILS

Account holder's name	Deva Ram Goyal
Account No.	674010100011328
Bank Name	Bank of India

Branch	Jind
IFSC Code	BKID0006740
Pan No.	AHLPG8030G

### Book Details

Book Title	डॉक्टर दादा
How would you like your name to appear on book?	Dev Goyal 'Dev'
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Fiction
Number of images (If any)	0
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

### Cover details

## Synopsis

उपन्यास का नायक ' देव ' एक प्राइवेट स्कूल में हार्डि- अध्यापक के पद पर कार्यरत है जो विद्यालय की प्रबंध समिति के समक्ष बी.एड. ट्रेनिंग के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करता है लेकिन प्रिंसिपल ( मुखिया) की जी हजरी न कर पाने के कारण उसकी प्रार्थना अस्वीकृत हो जाती है ।

देव के गाँव का ही मठि सरकारी अस्पताल में दांतों का डॉक्टर राकेश समिति के मैनेजर डॉ भगवत स्वरूप को अनुमति के लिए मना लेता है । समितिकी बैठक में मैनेजर के कड़े दुख को देखते हुए प्रधान बाबू राम कृष्ण देव को अनुमति प्रदान कर समिति को दोफाड़ होने से बचा लेते हैं । देव भविनी के सरकारी ट्रेनिंग कॉलेज में दाखला पा लेते हैं व शुभम के साथ शहर की कृष्णा कालोनी में रूम करिए पर लेकर रहने लगते हैं । कॉलेज में पाँच सत्र ( अध्यापक- दस ) समारोह का मंच संचालन देव करते हैं जिससे प्रभावित हो देवनि उससे आकर्षित हो जाती है। गुप्ता, मनोवैज्ञान के प्रोफेसर, देव को टेस्ट के आधार पर कॉलेज की भविष्यवाणी का संपादक नियुक्त करते हैं ।

एक दिन देव व शुभम बाजार घूमने निकलते हैं जहाँ करिड़ीमल मंदिर में उनकी मुलाकात देवनि व शविसे होती है । शुभम ओ. टी. की छात्रा शविकी ओर आकर्षित हो उससे प्यार करने लगता है । चारों मारवाड़ी ढाबे पर डिनर कर लौट जाते हैं व देव , शुभम व शवितिथा देवनि को भविष्यवाणी के लिए अपने साथ जोड़ लेता है जिससे उनका प्यार फ़रमान चढ़ने लगता है । एक दिन पक्किर देखने के समय शुभम, शविकी गोद में लेकर खूब प्यार करता है व देव भी देवनि को अपनी बाँहों में भरकर प्यार की वर्षा करता है ।

डॉ राकेश अक्सर डॉ भगवत स्वरूप के क्लिनिक पर जाने लगा है । जन्माष्टमी पर रश्मि के दादा जी डॉ भगवत स्वरूप दांत के इलाज के लिए अस्पताल आए तो रश्मि के साथ राकेश की मुलाकात हुई । दादा जी के साथ दो- तीन बार अस्पताल आने पर यह मुलाकात जारी रही व धीरे-धीरे प्यार में बदलने लगी। एक बार रश्मि ने राकेश को अपने घर लंच पर बुलाया , जहाँ एकांत पाकर राकेश, रश्मि को बाँहों में भरकर प्यार से मुख चूमता है । राकेश वापस लौटते समय अपनी एक पुस्तक रश्मि के घर छोड़ आता है जिस लौटाने के लिए रश्मि अगले दिन यमुनानगर जाते समय लौटाती है, राकेश रश्मि को फिर प्यार से चूमता है ।

## Blurb

‘ डॉक्टर दादा ’ उपन्यास प्रकाशन -पूर्व कुछ सुधी जनों के समक्ष संक्षिप्त कथावस्तु के साथ प्रस्तुत किया गया ताकि कुछ अमूल्य सुझाव प्राप्त किए जा सकें। उनमें से कुछ विद्वानों ने मुझे अपनी कृपा का पात्र समझा ये विचार व्यक्त किए।

‘ डॉक्टर दादा ’ उपन्यास अत्यंत उच्च कोटि की शृंखला में रखने योग्य रचना है जो व्यक्ति, समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। उपन्यास की कथा समसामयिक विषयों पर आधारित है व कहीं भी विषय से भटकाव नहीं है। मैं उपन्यास को पाठकों के लिए हितकारी एवं समाज के लिए उपयोगी अनुभव कर रहा हूँ। श्री देव गोयल एक सुविख्यात सामाजिक उपन्यास रचयिता हैं। मैं कामना करता हूँ कि वे अपनी रचनाओं द्वारा समाज व राष्ट्र की सेवा में अनवरत लगे रहें।

सुशील अग्रवाल

( पूर्व डी. जी. एम. )

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया।

‘ डॉक्टर दादा ’। उपन्यास का संक्षिप्त रूप देखने को मिला तो लगा कि यह सामाजिक कृति पाठकों का भरपूर मनोरंजन करेगी, साथ ही उन्हें समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को भी पूर्ण करने की प्रेरणा देगी। उपन्यास की कथा रोचक एवं समीचीन है

ममता गोयल

( गृहिणी )

एम ए इंग्लिश ( M A . English. K U K )

मुझे ‘ डॉक्टर दादा ’ उपन्यास की कथा अवलोकन को सौभाग्य प्राप्त हुआ जो श्री देव गोयल की एक उत्तम प्रकार की रचना है। उपन्यास वाकई प्रशंसा के काबिल है क्योंकि समाज का हर वर्ग व प्राणी इसे अपने करीब पाता है। पाठकों की भावनाओं का पूरा ध्यान लेखक ने रखा है। आशा है उपन्यास समाज की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा।

रविभूषण अग्रवाल

( पूर्व प्राध्यापक )

## Author Bio

लेखक परिचय— देव गोयल ' देव'

जन्मस्थान - गाँव -धमतान साहब, जून 1953 ,ज़िला संगरूर, पंजाब . वर्तमान में, ज़िला जींद - हरियाणा ।

शिक्षा - गाँव के सरकारी स्कूल से मैट्रिक स्तर, प्राइवेट तौर पर प्रभाकर ( आनर्ज - हर्दी ) पंजाब वि.वि.चंडीगढ़ ।

उच्च शिक्षा - स्नातकोत्तर हर्दी एवम् इंग्लिश - कुरुक्षेत्र वि.वि.कुरुक्षेत्र । बी. एड. - महर्षिदयानंद यूनिवर्सिटी- रोहतक, एम. एड. - पंजाबी वि.वि.पटियाला ।

शिक्षा- सेवा -

1972-85, हर्दी व इंग्लिश टीचर , एस. डी. सी. सै. स्कूल,जींद- हरियाणा ।

1985- 2005, लेक्चरर- हर्दी, हरियाणा शिक्षा विभाग ।

2005- 2011, प्रिंसिपल , हरियाणा शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ ।

साहित्यिक गतिविधियाँ- अध्ययन- अध्यापन के साथ संगीत- शिक्षा व साहित्य रचना जारी । क्ಷणिकाएँ व लघुकथाएँ दैनिकि हर्दी मिलाप व पंजाब केसरी में जगह पाती रही । ' त्यागपत्र ' शीर्षक से लघुकथा साप्ताहिक ' देवभूमि ' में प्रकाशित, हास्य चर्चिन नई साहित्यिक विधा की खोज, दैनिकि ' जगत क्रांति ' में कई व्यंग्य प्रकाशित । ' हरियाणा- बुलंद ' समाचारपत्र में कई रचनाएँ प्रकाशित, भक्ति-पत्रिका के संपादक के रूप में एक वर्ष कार्य किया । ' पाखंडी का डेरा ' व स्वर्ग में ' खुला दरबार ' एकांकी नाटक रचना । काव्य- रचना का भी शौक । मासिक न्यूज़ पत्र के संपादक का कार्यभार- ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, इककस- जींद - हरियाणा ।

वर्ष 1984 में ' हर्दी- सौरभ ' नामक प्रसंग- पुस्तक का प्रकाशन ।

हर्दी-व्याकरण 6-8 (अप्रकाशित )

उपन्यास - दीपा दीदी, जज साहब ।

सम्मान के पल - ( पाँच हजार शब्द ) नबिध प्रतियोगिता में राज्य भर में प्रथम स्थान पाने पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा पुरस्कृत, प्रमाण पत्र व नक़द राशि ₹ 3100/- प्राप्त, वर्ष - 2001. हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन के राज्य स्तर के अध्यक्ष ।

